हिंदी भाषा को सार्वभौमिक बनाने की जरूरत है

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)।

10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर खम्मम के एस. आर एंड बी. जी. एन. आर गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस स्वायत्त प्राप्ति कॉलेज और स्थानीय शासकीय महिला महाविद्यालय, पलोंचा के शासकीय महाविद्यालय, कोत्तागुडेम एस. आर. शासकीय महाविद्यालय, सत्तुपल्ली जलगम वेंगल राव शासकीय महाविद्यालय ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय वेबिनार गूगल मीट –ऑनलाइन का आयोजन किया।इस ऑनलाइन व्याख्यान में मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के अध्यक्ष एवं आचार्य करन सिंह ऊटवाल मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिए थे।

उन्होंने छात्रों और विद्वानों से बात करते हुए आशा व्यक्त की कि जल्द ही हिंदी भाषा सार्वभौमिक हो जाएगी। संयुक्त राज्य अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी संस्थान, नेपाल में हिंदी साहित्य समिति, सिंगापुर में हिंदी समाज, मॉरीशस में हिंदी प्रचार सभा और हिंदी संगठन, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के टोरंटो में दुनिया भर के लगभग 200संस्थाओं हिंदी को विश्वव्याप्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

हिंदी दुनिया की बहुत सरल और सुबोध आधुनिक भाषा है। जापान के साथ –साथ बहुत सारे देशों में रोमन लिपि में हिंदी का अध्ययन और अध्यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक साहित्य के साथ–साथ सोशल मीडिया और हिंदी फिल्में हिंदी भाषा के सार्वभौमिकरण में बहुत योगदान दे रही हैं। सत्यजितराय की अनेक फिल्में हिंदी को विश्व पटल पर पहुँचाने की कोशीश दिखाई देती है। प्रेमचंद से लेकर कई हिंदी लेखकों का हिंदी सिनेमा से सीधा संबंध है, इस प्रकार हिंदी फ़िल्मी दुनिया हिंदी भाषा के माध्यम से भारतीय कला, नृत्य, संगीत के साथ – साथ भारत के सामजिक, सांस्कृतिक , आर्थिक और राजनीतिक विषयों की जानकरी भी प्रस्तुत करते हुए हिंदी का प्रसार – प्रचार कर रही है। इस प्रकार हिंदी भाषा के प्रसार के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।इस आयोजन के लिए एस. आर एंड बी. जी. एन. आर गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद ज़ाकीरुल्ला ने अध्यक्षताकी। वे कहे थे कि हिंदी का विश्व जबान बने। प्रेमचंद जैसे अनेक महान लेखकों ने विश्व कोटी में गिने जानेवाली रचनाएँ की।जबकि स्थानीय महिला कॉलेज की प्राचार्य पद्मावती ने कहा कि हिंदी भारत को सामजिक और सांस्कृतिक रूप से एक सूत्र में बांध सकती है। पलोंचा शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. चिन्नाप्पाय्या ने कहा था कि इस प्रकार संयुक्त रूप से आयोजित वेबिनार व्यख्यान के माध्यम से यह महसूस हो रहा है कि विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम् बनाने की शक्ति हिंदी में है।इस वेबिनार में शामिल करके उन्हें उचित स्थान देने के प्रति कोत्तागुडेम एस. आर शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.माधवी गारू और सत्तुपल्ली जे.वी.आर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री पि. रामचद्र राव ने आभार प्रकट किये थे।

इस कार्यक्रम में हिंदी के सहायक आचार्य श्री ए. सांबशिव राव, डॉ. टी. अरुण कुमारी, डॉ. के. पद्मरानी, श्री के. मधु के साथ शोधार्थी और उत्सुक विद्यार्थी श्रद्धा के साथ जुड़ गाये थे। कार्यक्रम का संचालन ए. सांबशिव राव ने किया तथा संयोजक डॉ. टी. अरुण कुमारी थीं। समन्वयक थे डॉ.के. पद्मा रानी और परिचय पत्र प्रस्तुत किया डॉ. गौस शेख ने और के. मधु ने धन्यवाद समर्पण प्रस्तुत किया।

హిందీభాష విశ్వవ్యాప్తం కావాలి

నేషనల్ ఉర్దూ యూనివర్శిటీ ఆచార్యులు కిరణ్‌సింగ్

ఖమ్మంబానాపురంహవేలీ, జనవరి10: హిందీభాష విశ్వవ్యాప్తం కావాలని మౌలానా ఆజాద్ నేషనల్ ఉర్దూ యూనివర్సిటీ హిందీవిభాగం అధ్యక్షుడు ఆచార్య యూ. కిరణ్‌సింగ్ అన్నారు. సోమవారం ప్రపంచ హిందీ దినోత్సవాన్ని పురస్కరించుకొని, ఆన్‌లైన్‌లో నిర్వహించిన జాతీయ సెమినార్‌లో మాట్లాడారు. సంప్రదాయ సాహిత్యంతో పాటు సోషల్ మీడియా, హిందీ సినిమాలు హిందీ భాషను విశ్వవ్యాప్తంగా చేయటంతో ఎంతో దోహద పడుతున్నాయన్నారు. ఈ కార్యక్రమాన్ని ఎస్సార్ బీజీఎన్‌ఆర్, ప్రభుత్వ మహిళా డిగ్రీకళాశాల, కొత్తగూడెం. సత్తుపల్లి డిగ్రీకళాశాలలు సంయుక్తంగా నిర్వహించారు. ఈ సెమినార్‌లో ప్రిన్సిపాల్స్ డాక్టర్. మహమ్మద్ జాకీరుల్లా, జీ.పద్మావతి, జే. మాధవి, వై.చిన్నప్పయ్య, రామచంద్రరావులు సెమినార్‌లో పాల్గొన్నారు.

12:24
73%
czd-fxrs-vq...
REC
varsa
Dr...
Ra...
h
hindi
Kar...
~GO...
You
32 others